A-626

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-101

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. ज्योतिष और आयुर्वेद के पारस्परिक सम्बन्ध पर निबन्ध लिखें।

Q.2. ग्रह मानव के जीवन को कैसे प्रभावित करते है? विस्तार से वर्णन करें।

Q.3. प्राचीन पद्धतियों में रोग विचार में निबन्ध लिखें।

Q.4. आधुनिक चिकित्सा में ज्योतिष का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है?

Q.5. सृष्टि एंव ब्रह्माण्ड के अन्तः सम्बन्ध पर विस्तृत निबन्ध लिखें।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. संचित कर्मों और क्रियमान कर्मों में क्या भेद है? विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.2. चिकित्सा के विविध भेदों का परिचय दीजिए।

Q.3. साध्य रोगों पर टिप्पणी लिखें।

Q.4. कर्मफल पर टिप्पणी लिखें।

Q.5. आयुर्वेद की दृष्टि से रोग के विविध कारणों का वर्णन करें।

Q.6. रोग एंव रोगी परीक्षण के ज्योतिषीय उपकरणों पर टिप्पणी लिखें।

Q.7. चिकित्सा ज्योतिष का प्रयोजन सहित परिचय प्रदान करें।

Q.8. ग्रह मानव को किस प्रकार प्रभावित करते है? टिप्पणी लिखें।

****